भारत में सूर्य पूजाः पौराणिक कथाओं और आध्यात्मिक प्रथाओं के अंतर्संबंध को उजागर करना

छात्र का नाम– कृष्णा मलिक

नामांकन संख्या– **AR19BPHDSA004**

विषय– संस्कृत

पर्यवेक्षक– डॉ. हंस राज मीना

विश्वविद्यालय– सरदार पटेल विश्वविद्यालय, बालाघाट

सार

सूर्य पूजा ने हजारों सालों से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का एक महत्वपूर्ण पहलू बनाया है, जो अपने महत्व को धार्मिक प्रथाओं, पौराणिक कथाओं, और दैनिक जीवन के जाल में बुनकर गहराई से बांध लेता है। यह निबंध भारत में सूर्य पूजा के समृद्ध विशाल वास्त्र को विचार करता है, जिसमें इसकी ऐतिहासिक जड़ें, पौराणिक संवाद, और शाश्वत आध्यात्मिक महत्व होता है। विभिन्न धार्मिक पाठों, रीति–रिवाजों, और सांस्कृतिक प्रतिकों की जांच करके, यह निबंध भारत में सूर्य की पूजा के परम्परागत और आध्यात्मिक अभ्यासों के चारों ओर पौराणिक कथाओं और आध्यात्मिक अभ्यासों के गहरे संबंध को प्रकाशित करने का उद्देश्य रखता है।

इतिहास के अनुसार, हम प्रारंभिक सभ्यताओं में सूर्य पूजा के उदय का पता लगाते हैं, जैसे कि सिन्धु घाटी सभ्यता। ऋग्वेद के मंत्रों से लेकर हिंदू, जैन, और बौद्ध धार्मिक पौराणों में सूर्य के देवताओं के प्रति महत्त्व की गहराई को हम खोलते हैं।

अंतः हम सूर्य पूजा के आधुनिक महत्व को ध्यान में रखते हैं, जिसमें इसका पर्यावरणीय और आध्यात्मिक महत्व होता है। हमारा उद्देश्य है कि हम भारत में सूर्य की पूजा के महत्व को जागरूक करें, जो पौराणिक कथाओं, आध्यात्मिकता, और सांस्कृतिक विरासत को बांधता है।